(b) the reasons for retaining Calcutta as Headquarters of both Eastern and South Eastern Railways ; and

(c) whether Government propose to make Danapur the Headquarters of Eastern Railway ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) Taking into account the commercial importance of Calcutta and administrative and operational requirements of the Railways coupled with economy in expenditure, shifting of Eastern Railway headquarters to Danapur is not desirable. Such a step will also cause dislocation of work and unnecessary inconvenience to a large body of staff.

(b) Being a major port and an important centre of industrial activity, Calcutta had been the headquarters of the former East Indian and Bengal Nagpur Railways. For administrative and operational convenience, Calcutta continues to be the headquarters of the regrouped Eastern and South Eastern Railways.

(c) No.

झांसी रेलवे स्टेशन पर सवारी और माल गाड़ियों में लूटपाट की घटनायें

4100. **डा० गोविन्द दास रिछारिया** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1969 से मार्च, 1971 तक मध्य रेलवे के झांसी रेलवे स्टेशन पर सवारी और मालगाड़ियों में लूटमार की कितनी घटनाएं हुई ;

(ख) इसके परिणामस्वरूप रेलवे तथा व्यक्तियों की कितनी सम्पत्ति की हानि हुई ;

(ग) उक्त घटनाओं में कितने रेलवे कर्मचारी हताहत हुये ; और

(घ) यात्रियों तथा कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है अथवा किये जाने का प्रस्ताव है ?

रेल मंत्री (श्री हनुमंतैया) : (क) झांसी रेलवे स्टेशन पर कोई घटना नहीं घटी ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) (i) सरकारी रेलवे पुलिस द्वारा सामान्य सुरक्षा प्रबन्ध में कड़ाई बरतने जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर निगरानी और अपराधियों तथा समाज विरोधी तत्वों को पकड़ने के लिए आवधिक छापे मारने के अलावा महत्वपूर्ण रात्रि की सवारी गाड़ियो पर सरकारी रेलवे पुलिस के मार्ग रक्षियों की भी व्यवस्था की जाती है । रात के समय मालगाड़ियों पर रेलवे सुरक्षा दल के कर्मचारियों का पहरा रहता है ।

(ii) सरकारी रेलवे पुलिस सुरक्षा दल द्वारा निकट सम्पर्क रखा जाता है ताकि अपराध की रोक-थाम कारगर ढंग से की जा सके तथा दुश्चरित्रों पर निगरानी रखी जा सके ।

(iii) रेलवे सुरक्षा दल के अधिकारियों द्वारा सरकारी रेलवे पुलिस और राज्य पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए सभी स्तरों पर बैठकों का भी आयोजन किया जाता है ताकि रेलों पर अपराधों की रोकथाम और उनके पता लगाने के काम में सुधार किया जा सके ।

(iv) यार्डों या स्टेशन प्लेटफार्मों पर ड्यूटी पर तैनात रेलवे सुरक्षा दल को हिदायतें भी दी गयी है कि रेल सम्पत्ति की रक्षा करें, अपराध स्थलों पर अविलम्ब पहुंच जायें, तथा पीड़ितों की सभी सम्भव सहायता करें ।

Pollution of atmosphere by ash produced from Bokaro Thermal Power Plant

4101. SHRI CHAPAL BHATTACHARYA : Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state :

(a) whether ash from Bokaro Thermal Power Plant, because of mechanical deficiency, has been polluting the atmosphere for miles

around unchecked and in spite of protest for the last several years ;

(b) if so, the directions he proposes to give to the D. V. C. authorities to stop this pollution ;

(c) whether the D. V. C. has entered into an agreement with Sahu-Jain Company for conversion of Chandrapura Thermal Plant ash into cement, if so the terms of the contract, and

(d) in view of unfair labour and trade practices by Sahu-Jain in Japla Cement Factory and elsewhere and pending enquiries, what steps Government contemplate to ensure that ash from Thermal Plant would not affect the unwary public ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER: (SHRI B. N. KUREEL): (a) to (d). The boilers of the Bokaro Thermal Power Station burn coal with medium ash content. The boilers of the Chandrapura Thermal Power Station burn coal with higher ash content. The mechanical dust collector provided for the Bokaro Thermal Power Station was considered adequate at the time the plant was installed to clear the gas coming through the chimneys. Some fly ash accompanies the gases coming through the chimneys of the Bokaro Thermal Power Station and during some periods of the year this might be felt by the people around. This is not due to any mechanical deficiency of the plant. Electrostatic precipitators have been installed in the Chandrapura Thermal Power Station and these produce about 20,000 Tonnes of fly ash daily, the disposal of which is a problem. One of the effective ways of disposing of the fly ash collected by Electrostatic precipitators is to convert it into Pozzalanic Cement. DVC has entered into an agreement with the Sone Valley Portland Cement Co. for sale of fly ash for manufacture of Pozzalanic Cement, for a period of 20 years at a rate varying from Rs 2 per Tonne in the first year to Rs. 5 per Tonne in the 20th Year. Sale of fly ash by DVC to this Company is not connected with the labour and trade practices of the firm and is mainly in the interest of effective disposal of fly ash.

चम्बल नदी परियोजना के लिए विदेशी सहायता

4102. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री 31 मार्च, 1971 के अतारांकित प्रश्न संख्या 99 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चम्बल नदी परियोजना के लिए कितनी विदेशी सहायता प्राप्त हुई है ;

(ख) केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अलग कितनी-कितनी राशि खर्च की गई है ; और

(ग) वहां नहर का निर्माण करने से पूर्व उक्त परियोजना की सहायता से सरकार का मूलतः कितने एकड़ भूमि को सिंचाई के अंतर्गत लाने का प्रस्ताव था तथा इस समय कितनी एकड भूमि की सिचाई की जा रही है और शेष भूमि को कब तक सिंचाई सुविधा देने की संभावना है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) तकनीकी सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 1.49 करोड़ रुपये की विदेशी सहायता चम्बल परियोजना के लिए ली गई थी जो कि उपस्कर और साज सामान के रूप मे थी ।

(ख) परियोजना पर मार्च, 1971 के अन्त तक लगभग 126 करोड़ रुपये व्यय हुए । 1968-69 तक, केन्द्रीय सरकार ने, मध्य प्रदेश और राजस्थान की विकासात्मक योजनाओं के लिए केन्द्रीय योजना सहायता के भाग के रूप में चम्बल परियोजना के लिए 113 करोड़ रुपये की पृथग्-रक्षित ऋण सहायता दी थी । चतुर्थ योजना से राज्य सरकारों की विकासात्मक योजनाओं को सारी केन्द्रीय सहायता ब्लाक ऋणों और अनुदानों के रूप में दी जा रही है जो कि किसी खास स्कीम अथवा विकास क्षेत्र से बंधी नहीं होती ।